Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J–6209

PAPER–III
COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

Comparative Study of Religions

धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage and give answers to the questions No. 1 to 5 given below in 30 words :

The essence of all religion is a change in man's nature. The conception of second birth, dvitīyam janma, is the central reaching of the Hindu and the Buddhist religions. Man is not one but a multiplicity. He is asleep, he is an automaton. He is inwardly discordant. He must wake up, become united, harmonious within himself and free. The Greek mysteries implied this change in our nature. Man himself is conceived as a grain which could die as a grain but be reborn as a plant different from the grain. A bushel of wheat has two possible destinies, to be pounded and made into flour and become bread : or to be sown in the ground, to germinate and become a plant, and give a hundred grains for one that is sown. St. Paul borrowed this idea in describing the Resurrection when he says : "Thou fool, that which thou sowest is not quickened except it die". "It is sown a natural body, it is raised a spiritual body".

निम्नांकित अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्न संख्या* 1 *से* 5 *के उत्तर अधिकतम* 30 *शब्दों में लिखिए।

मनुष्य के स्वभाव में परिवर्तन सभी धर्मों का सार है। पुनर्जन्म की अवधारणा हिन्दू और बौद्ध धर्मों की आधारभूत शिक्षा है। मनुष्य एक नहीं, विभिन्न रूपवाला है। वह सुप्त है, वह यन्त्रवत् चलने वाला है, वह आन्तरिक रूप से विसंगत है। उसे जागना चाहिए, एकीकृत होना चाहिए, अपने आप में सुसंगत और स्वतन्त्र होना है। हमारे स्वभाव में ये परिवर्तन ग्रीक-रहस्यों में निहित हैं। मनुष्य अनाज के दाने की तरह समझा जाता है, जो अनाज की तरह मृत हो जाता है, लेकिन उस अनाज के दाने से भिन्न पौधे के रूप में पुन: पैदा हो जाता है। एक बुशल (पात्र) भर गेहूँ के दानों के दो सम्भावित परिणाम हैं - एक तो पिस कर आटा बन जाना, उससे रोटियाँ बन जाना अथवा (दूसरा) जमीन में बो दिये जाने पर अंकुरित होकर एक पौधा बन जाना और बढ़ कर बोये गये एक दाने के स्थान पर सैकड़ों दानों के रूप में प्रकट होना। सेंट पाल ने परिवर्तन के इस भाव को ग्रहण किया है जब वे पुनरुत्थान का वर्णन करते हुए कहते हैं कि-'अरे, मूर्ख! जो तुम बोते हो, उसके जीवित (उत्पन्न) होने के लिए उसके मर जाने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं है। वह भौतिक शरीर में बोया जाता है और आध्यात्मिक शरीर में विकसित होता है।'

1. What is the essence of religions ?
धर्मों का सार क्या है ?

2. What do you mean by nature of man ?
मनुष्य के स्वभाव से आप क्या समझते हैं ?

3. Define the concept of resurrection.
पुनरुत्थान की अवधारणा परिभाषित कीजिए।

4. What do you understand by rebirth ?
पुनर्जन्म से आप क्या समझते हैं ?

5. What is the significance of the passage for the goal of human life ?
मानव जीवन के लक्ष्य के विषय में ऊपर दिये हुये अनुच्छेद का क्या महत्त्व है ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. Write a note on harmony of religions.

धर्मों में पारस्परिक सामंजस्य पर एक टिप्पणी लिखिए।

7. Give an example regarding manifestation of the Divine in Tribal society and explain the same.

आदिवासी समाज में दैवी आविर्भाव का एक उदाहरण दें और उसकी व्याख्या कीजिए।

8. Is dialogue possible between religion and science ? State.

क्या धर्म और विज्ञान के बीच संवाद संभव है? स्पष्ट कीजिए।

9. Write briefly on the importance of the Vedas.
वेदों के महत्व के सम्बन्ध में संक्षेप से लिखिए।

10. Write a note on *Bhakti* in Hinduism
हिन्दू धर्म में *भक्ति* के ऊपर संक्षेप में एक टिप्पणी लिखिए।

11. Give an introduction of Ācārāṅgasūtra.
आचारांगसूत्र का परिचय दीजिए।

12. What do you know about the Digambara Jain Muni ? Write in brief.
दिगम्बरजैन मुनि के विषय में आप क्या जानते हैं, संक्षेप में लिखिए।

13. Discuss the causes that led to the Mahābhiniṣkramaṇa of the Buddha.
बुद्ध के महाभिनिष्क्रमण के कारणों का विवेचन कीजिये।

14. Discuss the causes that led to the Decline of Buddhism in India.
भारत में बौद्ध धर्म के ह्रास के कारणों का विवेचन कीजिये।

15. List the different epithets of Jesus Christ found in the Bible.
बाइबिल में उल्लिखित ईसा मसीह के विभिन्न उपाधियों को प्रस्तुत कीजिए।

16. Write the names of the four gospels of the New Testament.
नये-विधान के चार सुसमाचारों के नाम लिखिए।

17. Define the concept of Tauheed in Islam.
इस्लाम में तौहीद की अवधाराणा को परिभाषित कीजिए।

18. Comment upon the four schools of jurisprudence in Islam.
इस्लाम में न्यायशास्त्र के चार सम्प्रदाय कौन कौन हैं, टिप्पणी कीजिए।

19. What do you mean by Nam-Dan-Isnan in Sikhism ?
सिक्ख धर्म में नाम-दान-स्नान से आपका क्या तात्पर्य है ?

20. What are the basic features of Khalsa code of conduct ?
खालसा पन्थ की आचार संहिता की मुख्य विशेषताएं क्या हैं ?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

HINDUISM

हिन्दूधर्म

21. Mention the names of the Vedas and describe their basic contents.
वेदों के नाम लिखिए तथा इनकी मूल विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

22. Explain the concept of MUKTI (Salvation) as found in the major upanishads.
प्रमुख उपनिषदों में निहित मुक्ति की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

23. Write a short note on the Vedic rituals.
वैदिक कर्मकाण्ड पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

24. Elucidate the tradition of āsṙama as found in ancient India.
प्राचीन भारत में प्रचलित आश्रम व्यवस्था का विशद वर्णन कीजिए।

25. What is the basic difference between Śaiva and vaiṣṇava doctrines ? Explain.
शैव तथा वैष्णव सिद्धान्तों के मध्य मौलिक अन्तर क्या है? व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

JAINISM
जैन धर्म

21. Write a short note on the life of Lord Mahāvīra.
भगवान् महावीर के जीवन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

22. Write an essay on the path of liberation (Mokṣamārga) according to Jainism.
जैन धर्म के अनुसार मोक्षमार्ग पर एक निबन्ध लिखिए।

23. Write short notes on the following :
(a) Non-violence (Ahiṁsā)
(b) Non-attachment (Aparigraha)
निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
(a) अहिंसा
(b) अपरिग्रह

24. Describe in brief the Jaina ICONOGRAPHY.
जैन मूर्तिकला का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

25. What do you know about the SVETAMBARA Jain sect ? Discuss.
श्वेताम्बर जैन सम्प्रदाय के विषय में आप क्या जानते हैं ? विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

BUDDHISM
बौद्ध धर्म

21. Discuss the social and economic conditions which became instrumental for the rise of Buddhism.
उन सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का विवेचन कीजिये, जो बौद्ध धर्म के उदय का साधन बनीं।

22. Compile the constituents of the Buddha's biography on the basis of the facts given in the Tipiṭaka.
तिपिटक में दिये हुये तथ्यों के आधार पर बुद्ध की जीवनी के विविध अंगों का संकलन कीजिये।

23. Discuss the formation of the Buddhist Order (Saṅgha).
बौद्ध संघ के संघटन (बनावट) का विवेचन कीजिये।

24. Who is a Bodhisattva ? Discuss the virtues that are instrumental in the making of a Bodhisattva.
बोधिसत्त्व कौन है ? बोधिसत्त्व की संरचना में साधनभूत मूल्यों (गुणों) का विवेचन कीजिये।

25. What do you mean by 'Northern Buddhism' and 'Southern Buddhism' ? Discuss.
'उत्तरी बौद्ध धर्म' और 'दक्षिणी बौद्ध धर्म' से आपका क्या तात्पर्य है ? विवेचना कीजिये।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

CHRISTIANITY

ईसाई धर्म

21. Comment on the commandment of love in the Bible.
बाईबिल में वर्णित प्रेम के नियम के बारे में टिप्पणी लिखिए।

22. Discuss the Sacraments in Christianity.
ईसाई धर्म के संस्कारों के विषय में विवेचन कीजिए।

23. Throw light on the St. THOMAS Christians of India.
भारत के संत थॉमस ईसाईयों के ऊपर प्रकाश ड़ालिए।

24. Describe the concept of SIN in Christianity.
ईसाई धर्म में निहित पाप की अवधारणा के बारे विवरण लिखें।

25. What is the meaning and significance of the cross of Christ ? Explain.
मसीह की सलीब के अर्थ और महत्त्व क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V
विकल्प – V

ISLAM
इस्लाम धर्म

21. Describe the main achievements of Caliph Abu Bakr.
खलीफा अबूबकर के प्रमुख कारनामों का वर्णन कीजिए।

22. Give a brief account of the contribution of medieval Muslims to philosophy.
दर्शन के क्षेत्र में मध्यकालीन मुसलमानों के योगदान का उल्लेख कीजिए।

23. Write a note on the impact of sufism on Muslim society.
मुस्लिम समाज पर तसव्वुफ का क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।

24. Assess the contribution of Sir Syed Ahmad Khan as a social reformer.
समाजसुधारक के रूप में सर सैय्यद अहमद खाँ के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

25. Discuss the origin and early development of Tafseer.
तफसीर के स्रोत और उसके आरम्भिक विकास की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - VI
विकल्प – VI

SIKHISM
सिख धर्म

21. Write a short note on the Udasis (JOUNEYS = Travels) of Guru Nanak.
गुरु नानक की उदासियों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

22. Describe the contribution of Guru Amar Das towards the development of Sikhism.
गुरु अमर दास का, सिख धर्म के विकास में, योगदान का विवरण दीजिये।

23. Examine the factors leading to the Martyrdom of Guru Arjan.
गुरु अरजन की शहीदी के कारणों की समीक्षा कीजिये।

24. Discuss the mission of the creation of Khalsa by Guru Gobind Singh.
गुरु गोविंद सिंह के खालसा सृजनात्मक उद्देश्य पर प्रकाश डालिये।

25. Explain the prominent features of ultimate reality in Sikhism.
सिख धर्म में परम सत्ता के प्रमुख लक्षणों की व्याख्या कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write an essay on the medieval a bhakti movement in Hinduism.

हिन्दू धर्म के मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन के ऊपर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Describe the philosophical aspects of Jainism in detail.

जैनधर्म के दार्शनिक पक्षों का विस्तार से विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Write an essay on the revival of Buddhism in contemporary India.

आधुनिक काल में भारत में बौद्ध धर्म के पुनर्जागरण पर एक निबन्ध लिखिये।

OR / अथवा

Write an essay on the SERMON on the Mount by JESUS CHRIST.

ईसा के पर्वतीय उपदेश पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on the basic principles of Islam.

इस्लाम के आधारभूत सिद्धान्तों पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Guru Granth Sahib is the Eternal Guru of the Sikhs. Elaborate.

गुरु ग्रन्थ साहिब सिक्खों का शाश्वत गुरु है। स्पष्ट कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....